Dr. Shyam Shankar
Associate Professor
Deptt. of Political Science
Raja Singh College, Siwan
Mob. 8709375511 Email. shyamshankarp2407@gmail.com

For BA Hons. Part-II

राजनीतिक संस्कृति के तत्व, प्रकृति एवं विशेषताएँ-

राजनीतिक संस्कृति संस्कृति का ही एक भाग है। व्यक्ति के जो विचार, भावनाएँ, मूल्य, आदर्श संस्कृति के प्रति पाले जाते हैं वे ही राजनीतिक संस्कृति को भी प्रभावित करते हैं। राजनीतिक संस्कृति के निर्माण में प्रभावकारी तत्वों को हम निम्न शीर्षकों में व्यक्त कर सकते हैं।

1. ऐतिहासिक विकास – किसी देश की प्राचीन संस्कृति का प्रभाव उसकी वर्तमान स्थिति पर अवश्य पड़ता है। जैसे ब्रिटेन की राजनीतिक संस्कृति वहाँ की Political Continuity का परिणाम है जबकि फ्रान्स की राजनीतिक संस्कृति फ्रान्स की क्रान्ति का परिणाम है। इसी प्रकार रूस और चीन की राजनीतिक संस्कृति पर समाजवादी क्रान्ति का प्रभाव है।

2. भौगोलिक स्थिति – संयुक्त राज्य अमेरिका में इंग्लैण्ड की समस्या थी। फिर भी अमेरिका विशाल सीमाओं तथा विभिन्न भौगोलिक स्थिति ने स्वतंत्रता एवं समानता के मूल्यों को विकसित होने में योगदान किया। जबकि अफ्रीकी देश, आकार में छोटे हैं तथा उनकी जलवायु चरम है जिसके चलते वहाँ बंदूक की नोंक पर सत्ता परिवर्तन मामूली बात है। इसी प्रकार भारत में अनेक धर्म, जाति, भाषा के होते हुए भी एक स्थायित्व आया है।

3. सामाजिक तथा आर्थिक संरचना – सामाजिक तथा आर्थिक दृष्टि से श्रेष्ठ समाज अपने यहाँ उच्च राजनीतिक संस्कृति को जन्म देता है जिससे प्रजातंत्र

Scanned with CamScanner

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

सफलता पूर्वक संचालित होती है। इंगलैंड और अमेरिका की राज्य व्यवस्था ऐसी ही है। जबकि एशिया और अफ्रीका के कई देशों मे लोकतंत्र असफल हो चुकी है। अफ्रीकी देश घाना के राष्ट्रपति एनकुमा ने एक बार कहा था - "इससे बड़ी त्रासदीपूर्ण स्थिति क्या होगी कि अफ्रीकी राष्ट्र स्वाधीन होने के उपरान्त भी स्वाधीनता को हटपटा रहे है।"

4. राजनीतिक स्थिरता - राजनीतिक संस्कृति के विकास के लिए राजनीतिक स्थिरता आवश्यक है जैसे राजनीतिक स्थिरता के कारण भारत मे राजनीतिक संस्कृति का विकास हुआ जबकि पाकिस्तान मे ऐसा नही हो पाया है।

5. धार्मिक विश्वास - धर्मान्धता भाग्यवादिता को बढ़ावा देती है और ऐसे मे राजनीतिक परिवर्तन आसानी से नही होता है।

6. अन्य तत्व - अन्य तत्वों मे शिक्षा, उदारता, प्रगतिशीलता आदि का भी राजनीतिक संस्कृति के विकास मे अहम भूमिका होती है।

राजनीतिक संस्कृति व्यक्ति तथा समूह के राजनीतिक आचरण का ज्ञान कराती है। यह राजनीतिक व्यवस्था के प्रति एक व्यक्ति या सम्पूर्ण समाज का सामूहिक व्यवहार होता है। राजनीतिक संस्कृति की प्रकृति एवं विशेषताएँ निम्न प्रकार है -

1. राजनीतिक संस्कृति में अमूर्त स्वरूप प्रभावी होते है - राजनीतिक संस्कृति मे समाज के विश्वासों एवं मूल्यों का बहुत महत्व होता है। जब किसी देश की जनता विद्रोह करती है तो उसका कोई निश्चित कारण होता है, जो जनता की मानसिकता मे दिखाई नही देता है क्योंकि विचार अमूर्त होते है।

2. राजनीतिक संस्कृति गतिशील होती है - व्यक्ति और समाज के जीवन मूल्य परिस्थितियों और सामाजिक आवश्यकताओं के संदर्भ मे परिवर्तित होते रहते है। इसी आधार पर राजनीतिक संस्कृति भी गतिशील होती है। जिन समाजों मे राजनीतिक स्थायित्व होता है, उनके परिवर्तन की गति धीमी और सीमित होती है।

3. नैतिक मूल्यों के प्रति समर्पण - राजनीतिक संस्कृति को नैतिक मूल्यों के प्रति समर्थन की आवश्यकता होती है।

4. समन्वयकारी स्वरूप - राजनीतिक संस्कृति के जीवन मे अनेक नये जीवन मूल्य आते रहते है, नये और पुराने जीवन मूल्यों में संघर्ष भी होता रहता है।

Scanned with CamScanner